03-07-18 की मुरली से टॉपिक

1. करोड़पतियों की शान्ति को खाती कलियुगी आफतें

2. देवाला मारती कंपनियां

3. अन्ध-विश्वास में डूबा मानव

4. परमात्म सिर के मोर ब्राह्मण बच्चे

5. प्राणों से प्यारे बाप को पत्र लिखते बच्चे

6. एक परमात्मा से सच्चा मोह

7. जबरदस्त तकदीर का आधार - श्रीमत

8. लवली बच्चों को ईश्वर का फरमान

9. तकदीर बनाने का समय -संगमयुग

10. कौड़ी से हीरे जैसी तकदीर

11. संगमयुगी पुरुषार्थ का अपार सुख

12. आत्मा के बदलते रूप

13. स्वदर्शन चक्रधारी बनने का सुख

14. प्राणेश्वर बाप की छत्रछाया

15. दुःख से मुक्ति दिलाते ब्राह्मण

16. ऊंच मर्तबे का आधार - सर्विस

ओम शान्ति

वरदान - सदा सेफ्टी के स्थान पर रह निर्भय और निश्चिंत रहने वाले बापदादा के दिलतख्तनशीन भव

👉 बापदादा का दिलतख्त सर्वश्रेष्ठ स्थान है।

👉 जो सदा बाप के दिलतख्तनशीन रहते हैं वो ही सेफ रहते हैं।

👉 उनके पास माया आ नहीं सकती।

👉 ऐसी दिलतख्तनशीन आत्मा निर्भय है, निश्चिंत है - यह निश्चित है, अटल है।

👉 तो दिलतख्त पर बैठ जाओ।

☝ इसी नशे में रहो कि अभी हम बापदादा के दिलतख्तनशीन हैं और अनेक जन्म राज्य तख्तनशीन बनेंगे।

👉 इस रूहानी नशे में रहने से दु:ख की लहर आ नहीं सकती।

स्लोगन - बुद्धि पर किसी भी प्रकार का बोझ न हो तब कहेंगे डबल लाइट फरिश्ते।

ओम शान्ति